

Size : 213 mm x 378 mm

STARTHENE POWER

স্টারথেনি পাওয়ার

This insecticide used for the control of various sucking pest and bollworms in cotton.

CHEMICAL COMPOSITION :

Component	Content (% w/w)
Acephate active ingredient	: 50.00
Imidacloprid active ingredient	: 01.80
Surfactants -[Alkyl Naphthalene Sulfonate]	: 3.00
Inerts -[Precipitated Silica]	: q.s..

Total	100.00
RECOMMENDATION FOR USE :	

CROP	NAME OF THE PESTS	Dosage per Hectare			Waiting period from last spray to harvest (days)
		a.l. (g)	Formulation (g)	Dilution in water (l)	
COTTON	Aphid, Jassid, Thrips White fly, Bollworms	518	1000	500	40

TIME OF APPLICATION : First spray should be given immediately after noticing the appearance of insect pests. The successive sprays can be given at 7-10 days interval depending on pest pressure.

METHOD OF APPLICATION :

(a) Preparation of spray mixture

Take the required quantity of product, dilute with small quantity of water and stir well using a stick. Then, add the remaining quantity of water as per spray volume required and mix well again by stirring. For one hectare use 500 litre of water.

(b) Plant protection equipments

Use of high volume hand operated sprayer like knapsack sprayer or foot sprayer is recommended. Tractor mounted sprayer can also be used.

PHYTOTOXICITY : Acephate 50% + Imidacloprid 1.8% SP, is not phytotoxic to crops at recommended dosage.

PRECAUTIONS : Do not mix with bare hands. Use a wooden stick for stirring the spray solution. Do not eat, drink or smoke during application. Avoid contact with eyes and skin. Destroy empty containers after use.

SYMPTOMS OF POISONING : Headache, giddiness, nausea, vomiting, blurred vision, sweating, excessive lacrimation and salivation.

FIRST AID : Remove the patient to the fresh air. Wash contaminated skin with plenty of soap and water. If eyes are contaminated, wash with copious amount of water. If ingested victim should be induce to vomit by tickling the back of throat. In emergency take the patient to the nearest hospital.

ANTIDOTE : 1) Atropinize the patient immediately & maintain full atropinization using repeated doses of 2-4 mg at 5-10 minutes interval until fully atropinized. 2) Administer 1-2 g of 2-pyridine-2-aldoxime-N-methyl-iodine (2 PAM) to be dissolved in 10 cc of distilled water & inject intravenously (very slow) taking 10-15 minutes.

CONDITIONS TO BE SPECIFIED FOR STORAGE OF INSECTICIDES : 1) The packages containing insecticides shall be stored in separate rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticides. 2) The rooms or premises meant for storing insecticides shall be well-built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension.

DISPOSAL OF USED PACKAGES, SURPLUS MATERIALS AND WASHINGS OF INSECTICIDES : 1) It shall be the duty of the manufacturers, formulators of insecticides and operators to dispose packages or surplus materials and washings in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2) The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3) Packages shall be broken and buried away from habitation.

Caution: Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet. Do not spray during active bee foraging period of the day

Marketed by : SWAL CORPORATION LTD.,
Regd. Office: UPL LTD., Readymoney Terrace, 167, Dr. A. B. Road, Worli, Mumbai - 400 018, Maharashtra.

স্টারথীন পাৱৰ

এসিফেট ৫০% +

ইমিডাক্লোপ্ৰিড ১.৪% বিলেয় চূৰ্ণ

ইস কীটকনাশক কা উপযোগ কপাস কে রস चुसक कीटों और डोंडे की चुंडी के रोकथाम के लिए किया जाता हैं।

रासायनिक संघटन :

संरचना	प्रमाण (% भार /भार)
एसिफेट सक्रिय तत्व	: 50.00
इमिडाक्लोप्रीड सक्रिय तत्व	: 01.80
सरफैक्टेंट - (अल्काईल नाफथालीन सल्फोनेट)	: 03.00
इनर्ट - (प्रेसिपिटेड सिलिका)	: पर्याप्त मात्रा
कुल	100.00

उपयोग के लिए निर्देश :

फसल	कीड़ों का साधारण नाम	मात्रा प्रति हेक्टर		अंतिम छिड़काव तथा कटाई में अन्तर (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्राम)	अविमश्रण (ग्राम)	पानी की मात्रा (लीटर)
कपास	माहू, तैला, चुपचा, सोनद मक्खी, डोंडे की चुंडी	518	1000	500

उपयोग : पहला छिड़काव कीड़ो के प्रकट होने पर तुरंत करें। तत्पश्चात कीड़ों के उपद्रव अनुसार सात से रस दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

प्रयोग के लिए निर्देश

1) **छिड़काव का घोल तैयार करना :**

दवा की आवश्यक मात्रा लें, उसमें थोडा पानी मिलाकर पतला करें और लकड़ी से अच्छी तरह मिला लें। अब छिड़काव घोल की आवश्यकता के अनुसार बाकी पानी मिलाकर अच्छी तरह हिलाते हुए घोल लें। एक हेक्टर में 500 लिटर पानी का उपयोग करें।

2) **पौध सुरक्षा उपकरण :**

हाथ से चलने वाले नैपसेक स्प्रेयर या फुट स्प्रेयर का उपयोग करें। ट्रैक्टर पर बिठाये हुए स्प्रेयर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

वनस्पति दुष्प्रणिमाण : एसिफेट 50% + इमिडाक्लोप्रीड 1.8% विलेय चूर्ण, का सुजाव के अनुसार प्रयोग करने से फसल को कोई हानी नहीं पहुंचती है।

सावधानीयों : दवा को खाली हाथो से न मिलायें। इसें लकड़ी की डंडी द्वारा मिलायें। उपयोग के समय खाना, पिना तथा धूम्रपान करना नमा है। आँखो तथा त्वचा से सम्पर्क न होने दें। उपयोग के बाद खाली डिब्बो को नष्ट कर दें।

विष के लक्षण : सिरदर्द, चक्कर, मितली, उल्टी, धुंधला नजर आना, पसीना बहना, मुँह से लार गिरना तथा आँसू निकलना जैसे लक्षण दिखाई देते है।

प्रथमोपचार : रोगी को खुली हवा में लायें। दूषित त्वचा को साबुन और पानी द्वारा अच्छी तरह से धोयें। आँखों में दवा नया हो तो आँखे स्वच्छ पानी से धोयें। विष निगल लिया हो तो रोगी को गले के अन्तर उँगली डालकर उल्टी करवाए। अगर जरूरत हो तो मरीज को अस्पताल ले जायें।

विष निवारण : 1) मरीज को तुरंत एट्रोपीन दे और हर 5-10 मिनट बाद 2-4 मि.ग्र। की खुराक तब तक देते रहे, जब तक कि एट्रोपीन का पूरा असर न हो जाए। 2) 10 सी.सी डिस्टिल वाटर में 1-2 ग्र। 2-पाइरीडीन-2-एल्डॉक्साइम-एन-मिथाइल -आयोडीन (2 पी.ए.एम.) मिलाकर 10-15 मिनिट में धीरे-धीरे इन्जेक्शन से नसों में दिजिए।

कीटनाशक भंडारण के लिए विशेष शर्तें : 1) निर्माता, संयोजनकारी एवं दवा का छिड़काव करने वाले व्यक्ति का कर्तव्य है कि वो कीटनाशक डिब्बों का भंडारण, अलग कमरा, या जगह, या ऐसी जगह जहाँ अन्य वस्तु भंडारण न हो अथवा ताल बन्द अलमारियों में करें। कीटनाशक को खाद्य पदार्थ से दूर रखें। 2) कीटनाशक के भंडारण की जगह अच्छी तरह बनी हो, शीतल, शुष्क और हवादार हो तथा पर्याप्त लम्बी व चौड़ी हो, जैसे की वाष्प द्वारा प्रदूषण होने का डर न रहे।

उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों, बची हुई दवा और दूषित पानी का निवारण : 1) खाली डिब्बों, बची हुई दवा को ध्यानपूर्वक नष्ट करें, जिससे की वातावरण का स्रोत दूषित न हो। 2) कीटनाशक के उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों को पुन: उपयोग के लिए बाहर न छोड़ें। 3) खाली डिब्बों को नष्ट कर, आबादी से दूर जमीन में गाड़ दें।

सावधानी : इस लेबल /लीफलेट में दी गई फसलों के अलावा किसी भी अन्य फसल पर इसका उपयोग न करें। दिन में मधुमक्खियों के आहार लेने के चर्टों में इस्तेमाल न करें

विक्रेता : **स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,**
पंजीकृत कार्यालय : यूपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरेस, १६७, डॉ. एनी बेसंट रोड, वरली, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र.

स्टारथीन पाँवर

ऑसिफेट ५०% +

इमिडाक्लोप्रीड १.८% एसपी

हे एक कीटकनाशक आहे, जे कापसावरील वेगवेगळ्या शोषक आणि इतर मुख्य किड्यांच्या नियंत्रणासाठी उपयोगाला येते.

रासायनिक संयोजन :

घटक	प्रमाण (% व/व)
ऑसिफेट सक्रिय घटक	: ५०.००
इमिडाक्लोप्रीड सक्रिय घटक	: ०१.८०
सरफॅक्टन्ट्स (अल्काइल नॅफ्थालीन सल्फोनेट)	: ३.००
निष्क्रिय (प्रेसिपिटेट सिलिका)	: पुरेशा प्रमाणात
एकूण	१००.००

पीक	कीटकांचे नाव	प्रमाण प्रति हेक्टर			शेतकऱ्या फवारणी पासून कापणीपर्यंत प्रतिक्षा कालावधी (दिवस)
		स.घ. (ग्रॅ.)	फॉर्मुलेशन (ग्रॅ.)	पाण्यामध्ये साम्यीकरण (लि.)	
कापूस	मावा, तुडतुडे, फुलकिडे, पांढरी माशी, बांडखऱ्या	५१८	१०००	५००	४०

वापराचा काळ : कीटक दिसू लागताच पहिली फवारणी त्वरित केली पाहिजे. नंतरच्या फवारण्या कीटकांच्या प्रादुर्भावानुसार ७-१० दिवसांच्या अंतराने करता येतात.

वापराची पद्धत

(अ) फवारणीचे मिश्रण तयार करणे

उत्पादन आवश्यक तितक्या प्रमाणात घ्या, थोड्याशा पाण्यात घाला आणि काठीचा वापर करून चांगले दवळा. नंतर फवारणीच्या आवश्यक प्रमाणानुसार बाकीचे पाणी घाला व दवळीत पुन्हा चांगले मिसळा. एक हेक्टरसाठी ५०० लिटर पाणी वापरा.

(ब) वनस्पती संरक्षण उपकरणे

नॅपसॅक स्प्रेअर किंवा पायाने चालणऱ्या स्प्रेअरसारख्या उच्च प्रतीच्या हाताने चालवण्याजोग्या स्प्रेअरचा वापर करा. ट्रॅक्टर माऊंटेड स्प्रेअरचाही वापर करू शकता.

रोपांना विषकारकता : शिफारस केलेल्या प्रमाणात ऑसिफेट ५०% + इमिडाक्लोप्रीड १.८% एसपी पीकांना विषकारक नाही.

सावधगिरी : मोकळ्या हातांनी मिसळू नका. फवारणीचे मिश्रण दवळण्यासाठी लाकडी काठी वापरा. वापराच्या वेळी खाऊ, पिऊ किंवा धूम्रपान करू नका. डोळे व त्वचेला विष लागू देऊ नका. वापरानंतर डबे नष्ट करा.

विषबाधेची लक्षणे : डोळेदुखी, गसरणे, मळमळ, उलट्या, अंधुक दृष्टी, घाम, डोळ्यातून जास्त पाणी येणे, आणि लाळ सुटणे.

प्रथमोपचार : रुग्णाला तात्काय हवेत न्या. लागण झालेली त्वचा भरपूर साबण व पाण्याने धुवा. डोळ्यांना लाल्वास भरपूर पाण्याने धुवा. मिळल्यास घशाच्या खाली गुदगुल्या करून उलटी करावा. तातडीच्या परिस्थितीमध्ये जवळच्या हॉस्पिटलमध्ये जरूरत हो तो मरीज को अस्पताल ले जायें।

उत्तारा : १) रुग्णाला त्वरित अँट्रोपिनाइड करा आणि पूर्ण अँट्रोपिनाइड होईपर्यंत ५-१० मिनिटांच्या अंतराने २-४ मि.ग्रॅ. देत रहा. २) १-२ ग्रॅ. पायरिडाइन २ अँलडॉक्साइम-एन-मिथाइल-आयोडिन (२ पीएएम) १० सीसी डिस्टिल्ड पाण्यामध्ये विरघळवून शिरेतून (अगदी हळू) १०-१५ मिनिटात इंजेक्शनवाटे घा.

कीटकनाशकांच्या साठवणीसाठीच्या विशिष्ट अटी : १. कीटकनाशके असणारे डबे स्वतंत्र खोल्या किंवा ठिकाणांमध्ये, कीटकनाशकाच्या प्रमाण व प्रकाराच्या अनुसार इतर गोष्टी ठेवावयाच्या खोल्या किंवा ठिकाणापासून दूर किंवा स्वतंत्र कपाटामध्ये कुल्लुखंद करून ठेवले पाहिजेत. २. कीटकनाशके ठेवण्याची खोली किंवा ठिकाण चांगले बांधलेले, कोरडे, प्रकाशयुक्त आणि हवेशीर व पुरेसे मोठे असले पाहिजे.

वापरलेले डबे, जावा साहित्य व कीटकनाशकांच्या धुण्याची विल्हेवाट : १. कीटकनाशकांचे उत्पादन, फॉर्म्युलेंट्स आणि चालकांचे हे कर्तव्य राहील की डबे किंवा जादा साहित्य आणि धुण्याचे पाणी यांची विल्हेवाट सुरक्षितपणे पर्यावरण व जल प्रदूषण होणार नाही अशा प्रकारे केली जाईल. २.पुनर्वापर टाळण्यासाठी वापरलेले डबे बाहेर ठेवले जाणार नाहीत. ३. डबे मोडून वस्तीपासून दूर पुरुण्यात येतील.

सावधगिरी : ह्या लेबल /माहिती पत्रिकेवर वर्णन केलेल्या पीकाव्यतिरिक्त अन्य पीकासाठी वापरू नये. माशांच्या क्रियाशील चरण्याच्या दिवसाच्या वेळेत फवारणी करू नये.

विणन द्वारा : **स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,**
नोंदणीकृत कार्यालय : यूपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरेस, १६७, डॉ. ॲनी बेसंट रोड, वरळी, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र.

स्टारथीन पाँवर

ओसीड्रेट ५०% +

ईमिडक्लोप्रीड १.८% एसपी

आ ओड जंतुनाशक छे जेनो उपयोग कपासेन लागनारी यूसियां शुवात अने शुंडपनो लागती धणोनोना निथंत्रण भाटे करपामां आवे छे.

रासायनिक संयोजन :

घट्टो	मात्रा (% व/व)
ओसीड्रेट सक्रिय घट्टक	: ५०.००
ईमिडाक्लोप्रीड सक्रिय घट्टक	: ०१.८०
सरईडॅटॅन्स (अॅक्टाईल नॅफ्थालीन सॅल्फोनेट)	: 3.००
निष्क्रिय तत्व (प्रीसिपिटेट सिलिका)	: प.मा.
कुल	१००.००

पाड	शुवातनुं नाभ	हेक्टर टीठ मात्रा			छेल्हा छंउडावधी अंतराण (दिवस)
		स.घ. (ग्रा.)	द्राव्य (ग्रा.)	पाट्टीमां द्राव्य (ली.)	
कपास	मोलोमशी, लीला यूसियां, शिन्स, सईद भाजी, शुंउवाणी धण	५१८	१०००	५००	४०

वपराशोनो सभ्य : प्रथम छंउडाव शुवातो टैभाज के तऱत ४ करपो जोध्ओ. त्यारनाट शुवाताना उपद्रूपनो आधारे ७-१० दिवसाना अंतरे जीज्जे छंउडाव करी शकाय छे.

वपराशनी रीत :

(इ) छंउवायुं द्रावय तैयार करपानी रीत

उप्वादननी जोधती मात्रा लध थोउ पाट्टीमां ओगणी लाकडीथी भरोबर हलावो. त्यारनाट छंउटा भाटे जरुरी द्रावयाना प्रमााणाना आधारे पाट्टीनी लाडीनी मात्रा ओमेरो अने इरीथी हलावी भरोबर लेणवो. ओड हेक्टर भाटे ५०० लीटर पाट्टी वापरो.

(ली) छंउडाव भाटेनां उपकरडो

हाथ पॉन्थुम हस्तयाहित स्प्रेयर जेपुं छे, नॅपसेड स्प्रेयर अथवा कूट स्प्रेयरनो वपराश करपानी भलाभा छे. क्रेटर पर लगाईपुं स्प्रेयर पय वापरी शकाय छे.

पाड पर उेरी असर : ओसीड्रेट ५०% + ईमिडाक्लोप्रीड १.८% एसपी, भलाभाउं काउथेली मात्रामां पाड पर उेरी असर नथी करता.

सावथेतीओ : जुल्हा हाथे न लेणवो. छंउवायुं द्रावय हलावपा लाकडीनो उपयोग करो. वपराश करती वजते जापुं, पीपुंके धूम्रपान करपुं नही. आंभ अने त्वया साथे संपर्क थतो टावो. वपराश करी पछी जाती पात्रोनो नाश करो.

उेर यढ्याना लक्षणे : माथुं दुजपुं, यक्कर आवपा, उलडा, उलटी, आंघे आंभप, परसेयो थवो, आंभमाथी पुंफण पाट्टी अने भोमांथी लाग ऊटपी.

प्राथमिक सायरप : दऱहीने शुद्ध हवामां लध जाओ. दूषित त्वया सापु अने पुंफण पाट्टीथी धोई नाणो. जो आंभो दूषित थाय तो पुंफण पाट्टी वापरी साई करो. जो गणी जूवाय तो दऱहीने गलामां आंगणी नाजी उलटी करपया प्रयत्न करो. अत्यावश्यकतामां दऱहीने नशुकनी हॉस्पिटलमां लध जाओ.

विषनाशक : १. दऱहीने तऱत ४ अट्रोपिनाईड करे अने पूरेपूरे अट्रोपिनाईडेशन न थाय त्यां सुधी ५-१० मिनेटना अंतराणे २-४ मिग्रा. मात्रा वांरंयार आपी पूर्हीं अट्रोपिनाईडेशन जाणवी राजो. २. १० सी.सी. डिट्रिटेट वॉटरमां २-पायरिडाथन-२-अॅल्डोक्साईम अेन मिथाईल-आयोडिन (२ पीओएम) नी १-२ ग्राम मात्रा ओगणी नस वाटे (ईमे ईमे) १०-१५ मिनिट लांजे तेम आपो.

जंतुनाशकाना संग्रह भाटेनी निर्दिष्ट शरतो : १. जंतुनाशक धरावता पात्रोनो अन्य पदार्थो संग्रह कराती ओरडी के जग्ग्याथी दूर अलग ओरडी के जग्ग्यामां अथवा जंतुनाशकनी मात्रा अने प्रकार आधारे अलग कलायमां तापुं-थावी मारीने संग्रह करपां जोध्ओ. २. जंतुनाशकाना संग्रह भाटेनी जग्ग्या थोय् लांघडाम धरावती, सुकडी, थोय् हवा-उश्वाय धरावती अने पूरता वितरावणी होवी जोध्ओ. **जाती पात्रो, वधाराणा द्रावयोनो निडाव अने जंतुनाशकनी सङ्ग्रह :** १. जाती पात्रो के वधाराणा द्रावयानो निडाव तेम ४ सङ्ग्रह जण के पर्यावरण प्रदूषित न थाय तेम सुरक्षित रीते करवी ओ जंतुनाशकाना उत्पादको, संयोजकी अने संस्थापकोनी जूवांनधरी छे. २. जाती पात्रोनो इरी उपयोग थतो टाणवा तेने नष्टर रमडता न राजो. 3. जाती पात्रोने तोडीने वसतिवाणा विस्तारथी दूर जमीनमां दाठी द्यो.

सावथेती : आ लेबल/पत्रिकांमां निर्दिष्ट कराया सिंवावना पाकी पर उपयोग भाटे नथी. दिवसमां दुधभाजीओ सक्रिय होय ते सभ्यगणामां छंउडाव नही करशो.

विडता : **स्वाल कॉर्पोरेशन लि.,**
नोंदणीकृत कार्यालय : यूपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरेस, १६७, डॉ.ॲनी बेसन्ट रोड, वरली, मुंबई-४०० ०१८, महाराष्ट्र.

स्टारथिन पाওয়ার

आसेफेट ५०% +

इमिडाक्लोप्रीड १.८% एसপি

এটি একটি কীটনাশক বা ত্রুণায় বিভিন্ন শোষক পোকা ও বিস্ফোটক পোকা নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহার করা হয়।

উপাদান	পরিমাণ (% ডবল/ডবল)
আসেফেট আঙ্কিড উপাদান	: ৫০.০০
ইমিডাক্লোপ্ৰিড আঙ্কিড উপাদান	: ০১.৮০
সারফেক্ট্যান্টস - [আলকাইল ন্যাক্ফ্যালিন সালফোনেট]	: ৩.০০
নিষ্ক্রিয় পার্শ্বসমূহ -[অ্যাক্টিভ সিলিকা]	: পর্যাপ্ত মাত্রা
মোট	১০০.০০

ব্যবহার সম্পর্কিত পরামর্শ :					
শস্য	কৃৎসাক্ক কীটের নাম	এ.ঘাই. (গ্রাম)	ফর্মুলেশন (গ্রাম)	জলে দ্রব করা (লি.)	গুণ্ধ প্রয়োগের শেষ দিন থেকে ফসল কাটা পর্য্ধ অপেক্ষার কাল (দিন)
তুলা	জাবপোকা, শামাপোকা, চোষী পোকা, সাদা মাছি পোকা, বিস্ফোটক পোকা	৫১৮	১০০০	৫০০	৪০

প্রয়োগের প্রকৃতি সময় : প্রথমবারের গুণ্ধ কৃৎসাক্ক কীটের আবির্ভাব নজরে আসা মাত্র স্প্রে করতে হবে। তারপর কীটের ক্মতি করার গুরুত্ব গুণর নির্ভর করে ১-১০ দিন অন্তর পরবর্তী গুণ্ধ স্প্রে করতে হবে।

প্রয়োগ রীতি :

(ক) স্প্রে মিশ্রণ তৈরি

নির্দেশমামিক গুণ্ধের পরিমাণ দিন, তাতে অল্প একটু জল দিন এবং একটি কাঠি দিয়ে ভালোভাবে স্টো নেড়ে মিশিয়ে দিন। এরপর নির্দিষ্ট পরিমাণ জলের বাকি অংশটি তাতে মিশিয়ে আবার কাঠি দিয়ে নেড়ে গুঁড়ে নিন। প্রতি হেক্টরের জন্য ৫০০ লিটার জল ব্যবহার করুন।

(খ) গাছ-গাছালিকে সুরক্ষা দেওয়ার সরঞ্জাম

নাগপ্যাক স্প্রেয়ার বা ফুট স্প্রেয়ারের মতো উচ্চ ভলিউম যুক্ত হস্তচালিত স্প্রেয়ার ব্যবহারের পরামর্শ দেওয়া হয়ে থাকে। ট্রাক্টরের ওপর বসানো স্প্রেয়ারও ব্যবহার করা যেতে পারে।

ফাইটোটক্সিসিটি (উদ্ভিদের ওপর বিষক্রিয়া) : নির্দেশমামিক গুণ্ধের পরিমাণ ব্যবহার করলে আসেফেট ৫০% + ইমিডাক্লোপ্ৰিড ১.৮% এসপি শস্যের ওপর বিষক্রিয়া ঘটায় না।

সতর্কতা : খালি হাত দিয়ে গুণ্ধ মেশাবেন না। স্প্রে মিশ্রণটি নাড়ানোর জন্য একটি কাঠি ব্যবহার করুন। গুণ্ধ প্রয়োগকালে কিছু খাবেন না, পান করবেন না, এমনকি ধূমপানও করবেন না। চোখে বা হৃদে কোন স্পর্শ না লাগে। ব্যবহারের পর গুণ্

